भारत सरकार

परमाणु ऊर्जा विभाग

लोक सभा

अतारांकित प्रश्न संख्या 3752

जिसका उत्तर दिनांक 11.08.2021 को दिया जाना है

परमाणु ऊर्जा संयंत्रों की स्थापना

3752. श्री धैर्यशील संभाजीराव माणे :
डॉ. हिना विजयकुमार गावीत :
श्री उन्मेश भैय्यासाहेब पाटिल :
डॉ. सुजय विखे पाटील :
डॉ. श्रीकांत एकनाथ शिंदे :

क्या **प्रधान मंत्री** यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) क्या सरकार का देश में बिजली की कमी को पूरा करने की दृष्टि से परमाणु ऊर्जा संयंत्र स्थापित करने का विचार है;

(ख) यदि हां, तो वर्तमान स्थिति क्या है और उन स्थानों के राज्य/संघ राज्यक्षेत्र-वार नाम क्या हैं जहां पर ये परमाणु ऊर्जा संयंत्र स्थापित किए जाने की संभावना है;

(ग) उन विभिन्न देशों के नाम क्या हैं जिनके साथ इन परमाणु ऊर्जा संयंत्रों के लिए ईंधन की आपूर्ति के लिए बातचीत हुई है; और

(घ) इन परमाणु ऊर्जा संयंत्रों को कब तक स्थापित किए जाने की संभावना है ?

उत्तर

राज्य मंत्री, कार्मिक, लोक शिकायत और पेंशन तथा प्रधान मंत्री कार्यालय (डॉ. जितेन्द्र सिंह) :

(क) जी, हां ।

(ख) विवरण अनुलग्नक में दिए गए हैं ।

(ग)

रिएक्टरों के प्रकार	देशों के साथ समझौते किए गए हैं	ईंधन का प्रकार
पीएचडब्ल्यूआर-700 Mwe	कनाडा, कज़ाख्स्तान	यूरेनियम अयस्क सांद्रण के रूप में प्राकृतिक यूरेनियम
वीवीईआर- 1000 Mwe	रूस	समृद्ध UO_2 ईंधन वाली ईंधन असेम्बलियां

*

(घ) निर्माणाधीन और मंजूरी संस्वीकृत परियोजनाओं के वर्ष 2031 तक क्रमिक रूप से पूरा होने की योजना है ।

* * * * *

राज्य	स्थान	परियोजना	क्षमता (MW)	भौतिकीय प्रगति (जून, 2021 के अनुसार) / स्थिति विवरण
निर्माणाधीन परियोजनाएं				
गुजरात	काकरापार	केएपीपी-3[$] तथा 4	2 X 700	96.3%
राजस्थान	रावतभाटा	आरएपीपी-7 तथा 8	2 X 700	86.4%
तमिलनाडु	कुडनकुलम	केकेएनपीपी-3 तथा 4	2 X 1000	51.2%
		केकेएनपीपी-5 तथा 6	2 X 1000	29 जून, 2021 को कंक्रीट की प्रथम भराई (एफपीसी) के साथ निर्माण का कार्य आरम्भ हुआ ।
	कल्पाक्कम	*पीएफबीआर*[&]	1 X *500*	97.64%
हरियाणा	गोरखपुर	जीएचएवीपी-1 तथा 2	2 X 700	नाभिकीय भवन-1 में आधारिक स्तंभों की ढ़लाई का कार्य पूरा हो गया है जबकि नाभिकीय भवन-2 में पूरा होने वाला है ।
प्रशासनिक अनुमोदन एवं वित्तीय मंजूरी संस्वीकृत परियोजनाएं				
कर्नाटक	कैगा	कैगा-5 तथा 6	2 X 700	पूर्व-परियोजना गतिविधियां प्रगति पर हैं ।
हरियाणा	गोरखपुर	जीएचएवीपी-3 तथा 4	2 X 700	
मध्य प्रदेश	चुटका	चुटका-1 तथा 2	2 X 700	
राजस्थान	माही बांसवाड़ा	माही बांसवाड़ा-1 तथा 2	2 X 700	
		माही बांसवाड़ा-3 तथा 4	2 X 700	
'सैद्धांतिक' अनुमोदन प्राप्त परियोजनाएं				
महाराष्ट्र	जैतापुर	जैतापुर - 1 से 6	6 x 1650	*पूर्व-परियोजना गतिविधियां प्रगति पर हैं ।*
आंध्र प्रदेश	कोव्वडा	कोव्वडा - 1 से 6	6 x 1208	
गुजरात	छाया मीठी वीरडी	छाया मीठी वीरडी - 1 से 6	6 x 1000*	
पश्चिम बंगाल	हरिपुर	हरिपुर - 1 से 6	6 x 1000*	
मध्य प्रदेश	भिमपुर	भिमपुर- 1 से 4	4 X 700	

$ केएपीपी-3 (700 MW) 10 जनवरी, 2021 को ग्रिड के साथ जोड़ दिया गया ।

& भाविनी द्वारा क्रियान्वित

**अंकित क्षमता*